Dr. M. K. Jha
Dept of Sociology
V S J College, Rajnagar.

Question- पश्चिमीकरण की अवधारणा तथा विशेषताएँ बतलाइए।

Ans- एम. एन श्रीनिवास ने भारत में 150 वर्षों के ब्रिटिश शासन के फलस्वरूप भारतीय संस्कृति में होने वाले परिवर्तनों के लिए 'पश्चिमीकरण' शब्द का प्रयोग किया है। पश्चिमीकरण एक तटस्थ अवधारणा है क्योंकि इससे उत्पन्न होने वाले परिवर्तन को पहले की तुलना में अच्छा या बुरा नहीं कहा जा सकता है। सामाजिक समानता, सामाजिक न्याय, व्यक्तिगत स्वतंत्रता, मानवीय अधिकारों के प्रति चेतना, तर्कपूर्ण व्यवहार तथा भौतिक विकास पश्चिमीकरण के प्रमुख आधार हैं। पश्चिमीकरण वह प्रक्रिया है जो एक बाह्य कारक के रूप में भारत की सांस्कृतिक विशेषताओं में होने वाले परिवर्तन को स्पष्ट करती है।

M.N. Srinivas ने पश्चिमीकरण के संदर्भ में लिखे हैं " I have used the term 'Westernization' to characterise the changes brought about in Indian society and culture as a result of over 150 years of British rule, and the term subsumes changes occurring at different levels- technology, institutions, ideology and values"

अर्थात, पश्चिमीकरण का तात्पर्य भारतीय समाज के सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन में पैदा होने वाले उन सभी परिवर्तन से है जो पश्चिमी की प्रौद्योगिकी, व्यवहार के नियमों, विचारों और सामाजिक मूल्यों से सम्बन्धित है।

पश्चिमीकरण एक परिवर्तन की दशा है जो समाज में व्यवहार करने के तरीके, विश्वास, विचार, उत्पादन के प्रणाली और सामाजिक मूल्य पश्चिमी देशों की संस्कृति के अनुसार बदलने लगता है

भारत में 150 वर्षों ब्रिटिश शासन के दौरान यहाँ प्रशासन, कानून, शिक्षा, प्रौद्योगिकी, परिवहन और संचार के क्षेत्र में एक नयी व्यवस्था लागू की गयी। इसी के फलस्वरूप यहाँ लोगों के सोचने के तरीकों, व्यवहार के ढंगों तथा सामाजिक-धार्मिक संस्थाओं में व्यापक परिवर्तन उत्पन्न हुए। परिवर्तन की इसी प्रक्रिया को पश्चिमीकरण है।

डॉ. योगेन्द्र सिंह के अनुसार पश्चिमीकरण का सम्बन्ध भारतीय समाज और संस्कृति पर केवल इंग्लैंड के प्रभाव से नही है। पश्चिमीकरण का तात्पर्य भारतीय समाज में पश्चिमी के किसी भी देश के प्रभाव से पैदा होने वाले परिवर्तन से है। उनके अनुसार पश्चिमी संस्कृति की मुख्य विशेषताएँ मानवतावाद, तार्किक व्यवहार, वैज्ञानिक शिक्षा, राष्ट्रीयता की भावना तथा सामाजिक सुधार आदि है।

अतएव भारत की परम्परागत सांस्कृतिक विशेषताओं की जगह पश्चिमी देशों के प्रभाव से जब यहाँ मानवतावाद, तर्कवाद, समाज सुधार, वैज्ञानिक शिक्षा, और राष्ट्रवादी विचारों का प्रभाव बढ़ने लगा, तब इसी प्रक्रिया को हम पश्चिमीकरण कहते है।

पश्चिमीकरण की विशेषताएं -

(characteristics of Westernization)

M.N Srinivas ने पश्चिमीकरण के कुछ विशेषताओं का उल्लेख किए हैं जोकि निम्नवत हैं -

1. नैतिक रूप से तटस्थ अवधारणा -
पश्चिमीकरण की प्रक्रिया केवल भारतीय समाज पर पश्चिमी जीवन पद्धति के प्रभाव को स्पष्ट करती है। यह प्रक्रिया नैतिक रूप में इसलिए तटस्थ है कि इसके अनुसार किसी परिवर्तन को पहले की तुलना में अच्छा या बुरा नही कहा जा सकता है।

2. एक व्यापक अवधारणा -
पश्चिमीकरण की प्रक्रिया का क्षेत्र अतिव्यापक है। पश्चिमीकरण व्यवहार सम्बन्धी परिवर्तन किए है जिसमें खान-पान, वेशभूषा, शिष्टाचार के तरीके तथा व्यवहार के विधियों में आने वाले बदलाव है। वहीं ज्ञान, विज्ञान और साहित्य के क्षेत्र में परिवर्तन हुए हैं। साथ ही सामाजिक मूल्यों और विचारों में मानवीय अधिकार एवं समानता और सभी धर्मों के प्रति आदर भावना का होना है।

3. कई पश्चिमी देशों का प्रभाव -
भारत में पश्चिमीकरण के अन्तर्गत कई देशों का प्रभाव स्वीकार किया गया है जैसे इंग्लैण्ड, अमरीका, रूस तथा इटली की सांस्कृतिक विशेषताओं का प्रभाव पड़ा है।

4. नये मूल्यों का समावेश -
पश्चिमीकरण के अन्तर्गत पश्चिमी संस्कृति का मूल्यों को ग्रहण करने से है। जैसे पश्चिमी संस्कृति में सामाजिक समानता, सामाजिक न्याय, व्यक्तिगत स्वतंत्रता, अधिकार के प्रति चेतनता, तार्किकता और भौतिक विकास आदि प्रमुख मूल्य हैं। भारतीय संस्कृति में इन नये मूल्यों का समावेश हुआ है।

5. एक जटिल प्रक्रिया -
पश्चिमीकरण एक जटिल प्रक्रिया है। भारतीय समाज के सभी हिस्सों पर इसका प्रभाव समान रूप में देखने को नहीं मिलता है। गाँव की तुलना में नगरों में और निम्न वर्गों की तुलना में उच्च वर्गों पर पश्चिमीकरण का प्रभाव अधिक देखने को मिलता है।

6. जागरूक प्रयत्नों द्वारा ग्रहण -
पश्चिमी की औद्योगिक, शिक्षा, और समानता के मूल्यों का जागरूक होकर ग्रहण करना पड़ता है, जिसमें समय एवं लक्ष्य का सामंजस्य कर प्रभावकारी बनाया जाता है।

भारत में पश्चिमीकरण के कारण समाज में सुधार आन्दोलन का आरम्भ हुआ। वहीं निम्न जातियों के सामाजिक स्थिति में उच्चापन आया। S.C and S.T. और OBC को आरक्षण का लाभ मिला। शिक्षा प्रणाली में आविष्कार एवं नवाचार का प्रयोग हुआ। इस तरह कई सामाजिक कुरीतियों पर कानूनी अंकुश पड़ा। बालकर भौतिक मूल्यों में वृद्धि और उत्पादन के नयी प्रविधियों पश्चिमीकरण का महत्वपूर्ण देन माना गया है।